

गढ़ा और पुल

गढ़ा और पुल

garhā aur pul

The Chasm and the Bridge
(Urdu–Hindi script)

© 2019 MIK

published and printed by
Good Word, New Delhi

for enquiries or to request more copies:
askandanswer786@gmail.com

पाना और सुअ



खुदा पाक है

मैं रब तुम्हारा खुदा हूँ। लाज़िम है कि तुम अपने आपको मखसूसो-मुकद्दस रखो, क्योंकि मैं कुद्दूस हूँ। (अहबार 11:44)

जो अज़ीम और सरबुलंद है, जो अबद तक तख्तनशीन और जिसका नाम कुद्दूस है वह फ़रमाता है, “मैं...बुलंदियों के मक़दिस में...सुकूनत करता हूँ।” (यसायाह 57:15)

फ़रिश्ते उसके ऊपर खड़े थे।...बुलंद आवाज़ से वह एक दूसरे को पुकार रहे थे, “कुद्दूस, कुद्दूस, कुद्दूस है रब्बुल-अफ़वाज। तमाम दुनिया उसके जलाल से मामूर है।” (यसायाह 6:2-3)

रब जैसा कुद्दूस कोई नहीं है, तेरे सिवा कोई नहीं है। (1 समुएल 2:2)

कुद्दूस, कुद्दूस, कुद्दूस है रब क़ादिरे-मुतलक़ खुदा, जो था, जो है और जो आनेवाला है। (मुकाशफ़ा 4:8)



खुदा

इनसान गुनाहगार है

कोई नहीं जो रास्तबाज़ है, एक भी नहीं। (रोमियों 3:10)

सबने गुनाह किया, सब अल्लाह के उस जलाल से महरूम हैं जिसका वह तक्राज़ा करता है। (रोमियों 3:23)

हम सब भेड़-बकरियों की तरह आवारा फिर रहे थे, हर एक ने अपनी अपनी राह इख्तियार की। (यसायाह 53:6)

जब आदम ने गुनाह किया तो उस एक ही शख्स से गुनाह दुनिया में आया। इस गुनाह के साथ साथ मौत भी आकर सब आदमियों में फैल गई, क्योंकि सबने गुनाह किया। (रोमियों 5:12)

अगर हम गुनाह से पाक होने का दावा करें तो हम अपने आपको फ़रेब देते हैं और हम में सच्चाई नहीं है। (1 यूहन्ना 1:8)

इन्सान

गुनाह जुदाई पैदा करता है

तुम्हारे बुरे कामों ने तुम्हें उससे अलग कर दिया, तुम्हारे गुनाहों ने उसका चेहरा तुमसे छुपाए रखा। (यसायाह 59:2)

हमारे और तुम्हारे दरमियान एक वसी खलीज कायम है। अगर कोई चाहे भी तो उसे पार करके यहाँ से तुम्हारे पास नहीं जा सकता, न वहाँ से कोई यहाँ आ सकता है। (लूका 16:26)

कोई नापाक चीज़ उस [यानी आसमान] में दाखिल नहीं होगी, न वह जो घिनौनी हरकतें करता और झूट बोलता है। (मुकाशफ़ा 21:27)

क्या आप नहीं जानते कि ना-इनसाफ़ अल्लाह की बादशाही मीरास में नहीं पाएँगे? (1 कुरिंथियों 6:9)

खुदा

गुनाह

इन्सान

इनसान इस गढ़े पर पुल बना नहीं सकता

उसने हमें बचाया। यह नहीं कि हमने रास्त काम करने के बाइस नजात हासिल की बल्कि उसके रहम ही ने हमें रूहुल-कुद्स के वसीले से बचाया। (तितुस 3:5)

उसने हमें नजात देकर मुक़द्दस ज़िंदगी गुज़ारने के लिए बुलाया। और यह चीज़ें हमें अपनी मेहनत से नहीं मिलीं बल्कि अल्लाह के इरादे और फ़ज़ल से। (2 तीमुथियुस 1:9)

चूँकि यह अल्लाह के फ़ज़ल से हुआ है इसलिए यह उनकी अपनी कोशिशों से नहीं हुआ। (रोमियों 11:6)

लेकिन जब लोग काम नहीं करते बल्कि अल्लाह पर ईमान रखते हैं जो बेदीनों को रास्तबाज़ करार देता है तो उनका कोई हक़ नहीं बनता। वह उनके ईमान ही की बिना पर रास्तबाज़ करार दिए जाते हैं। (रोमियों 4:5)

आपको ईमान लाने पर नजात मिली है। यह आपकी तरफ़ से नहीं है बल्कि अल्लाह की बख़्शिश है। और यह नजात हमें अपने किसी काम के नतीजे में नहीं मिली, इसलिए कोई अपने आप पर फ़ख़र नहीं कर सकता। (इफ़िसियों 2:8-9)



इस गढ़े पर सिर्फ़ एक पुल है

मसीह ने हमारे गुनाहों को मिटाने की खातिर एक बार सदा के लिए मौत सही। हाँ, जो रास्तबाज़ है उसने यह नारास्तों के लिए किया ताकि आपको अल्लाह के पास पहुँचाए। (पतरस 3:18)

अब आप मसीह में हैं। पहले आप दूर थे, लेकिन अब आपको मसीह के खून के वसीले से करीब लाया गया है। (इफ़िसियों 2:13)

वही हमारे गुनाहों का कफ़ारा देनेवाली कुरबानी है, और न सिर्फ़ हमारे गुनाहों का बल्कि पूरी दुनिया के गुनाहों का भी। (1 यूहन्ना 2:2)

यह सब कुछ अल्लाह की तरफ़ से है जिसने मसीह के वसीले से अपने साथ हमारा मेल-मिलाप कर लिया है। (2 कुरिंथियों 5:18)

क्योंकि अल्लाह ने दुनिया से इतनी मुहब्बत रखी कि उसने अपने इक्लौते फ़रज़ंद को बर्ख़श दिया, ताकि जो भी उस पर ईमान लाए हलाक न हो बल्कि अबदी ज़िंदगी पाए। (यूहन्ना 3:16)

खुदा

हज़रत ईसा अल-मसीह

इन्सान



दिली इतमीनान

तो भी कुछ उसे क़बूल करके उसके नाम पर ईमान लाए। उन्हें उसने अल्लाह के फ़रज़ंद बनने का हक़ बख़्श दिया। (यूहन्ना 1:12)

ध्यान दें कि बाप ने हमसे कितनी मुहब्बत की है, यहाँ तक कि हम अल्लाह के फ़रज़ंद कहलाते हैं। (1 यूहन्ना 3:1)

और चूँकि हम उसके फ़रज़ंद हैं इसलिए हम वारिस हैं, अल्लाह के वारिस और मसीह के हममीरास। (रोमियों 8:17)

जितनी दूर मशरि़क़ मग़रिब से है उतना ही उसने हमारे कुसूर हमसे दूर कर दिए हैं। (ज़बूर 103:12)

मैं इस बात का इकरार करता हूँ कि मैं
गुनाहगार हूँ। मैं अल्लाह का शुक्र करता
हूँ कि हज़रत ईसा ने जो खुदावंद है,
सलीब पर मर कर मेरे लिए उस गढ़े पर
पुल कायम किया ताकि मैं खुदा के
पास पहुँचूँ। मैं शख़्सी तौर पर उसे
अपना नजातदहिंदा क़बूल करता हूँ।

लतीफ़

